Inclusive Education E-Content -04E

Payal Gupta Unit-II (8)

श्रवण बाधित बालक या बहरे बालक

Hearing Impaired children

मनुष्य की पाँच ज्ञानेन्द्रियो मे से एक ज्ञानेन्द्री है- कान। सुनकर ही मनुष्य ज्ञान की प्राप्ति करता है परन्तु यदि मनुष्य सुनने मे समर्थ नही होता तब उसको शारीरिक, मानसिक संवेगात्मक, शैक्षिक एवं व्यवसायिक क्षेत्र पर प्रभाव पड़ता है।

श्रवण बाधिता का अर्थ- जब किसी बालक के श्रवण अंगो मे कोई दोष होता है तब उसे श्रवण बाधित बालक कहते है। ये दोष कान के बाहर, मध्य या अन्दर हो सकता है श्रवण बाधित बालको को अन्य व्यक्तियो की भाषा सुनने तथा समझने मे परेशानी होती है क्योकि इनमे सुनने की क्षमता नही होती। सभी बालको मे श्रवण बाधिता समान नही होती। कुछ बालक पूर्णतया सुन नही पाते तथा कुछ बालक आंशिक रूप से। आंशिक रूप से श्रवण बाधित बालक जोर से बोली गयी आवाज को सुन लेते है तथा इसके लिये उन्हे किसी विशेष यन्त्र की आवश्यकता नही होती ऐसे बालको को सामान्य बालको के साथ शिक्षा देने मे कठिनाई अनुभव नही होती परन्तु पूर्ण रूप से या गम्भीर रूप से बाधित बालक जोर से बोली गई आवाज को सुनने मे भी असमर्थ होते है, ऐसे बालको विशिष्ट प्रविधियो द्वारा प्रारम्भिक निपुणता की आवश्यकता होती है इसके बाद ही सामान्य स्कूल मे शिक्षा के लिये प्रवेश कराया जा सकता है

श्रवण बाधिता के कारण- श्रवण बाधिता के कई कारण होते है। इनमे से कुछ जन्मजात तथा कुछ जन्म के पश्चात किसी दुर्घटना या बीमारी के कारण भी हो सकते है

जन्म से पूर्व और जन्म के समय के कारण

Prenatal and Pre Natal Causes

1. जननिक या वंशानुगत कारण Heredity or Genetic causes -

Scanned by TapScanner

श्रवण सम्बन्धी दोषों का एक प्रमुख कारण अनुवांशिकता है यह साधारणतया देखा गया है कि जिन बालकों के माता पिता बहरे होते है उनके बच्चो मे यह दोष पाया जाता है। यह भी देखा गया है कि यदि अत्यन्त निकट सम्बन्धी आपस मे विवाह करते है तो इस दोष की सम्भावना रहती है, पूर्वजन्मजात श्रवण दोष का कारण आनुवंशिक ~~भी हो सकता~~ है ~~एक माता पिता का श्रवण आदि बच्चो मे यह दोष न हो परन्तु माता पिता दोनो के [illegible] [illegible] हो सकते है~~ ।

2 जर्मन खसरा German Measles- 1980 मे जर्मन खसरा एक महामारी के रूप मे फैला था यह देखा गया कि जो गर्भवती महिलाएं इस बीमारी से पीड़ित हुई उनकी सन्तान श्रवण बाधित हुई

Rubella

3 गर्भावस्था मे श्रवण बाधिता Hearing impairedness during Pregnancy- गर्भावस्था के समय यदि माँ कोई जहरीले या मादक पदार्थ का सेवन या दूषित भोजन का सेवन करे तो भी बालक मे श्रवण बाधिता की सम्भावना पाई जाती है

4 असामान्य प्रसव - Abnormal Delivery - असामान्य प्रसव या जो व्यक्ति असामान्य प्रसव करते है तो भी बालक मे श्रवण दोष उत्पन्न हो जाता है

5 असुरक्षित प्रसव Unsafe Delivery- यदि प्रसव के समय [illegible] प्रवाह अधिक हो जाए रक्त मे W.B.C श्वेत रक्त कणिकाएं का उचित अनुपात न होना तथा ऑक्सीजन का अभाव भी श्रवण बाधिता का का[illegible] हो सकता है

6 असंतुलित भोजन Malnutrition- गर्भावस्था मे माँ [illegible] को सन्तुलित भोजन प्राप्त नही होता तो बालक के विकास पर प्रभाव पड़ता है जिसके कारण से उनकी इन्द्रियो का समुचित विकास न[illegible] पाता।

7 दवाओं का उपयोग (Drugs- गर्भावस्था के समय अधिक

दवाओ या नशीली दवाओ के सेवन से भी बालक के विकास पर प्रभाव पड़ता है

जन्म के पश्चात् के कारण Post natal causes

1. **बीमारी illness** - कुछ बीमारिया ऐसी होती है जिसके प्रभाव मे आने पर बालक मे श्रवण दोष उत्पन्न होता है जैसे, कनफेड़ा mumps, खसरा measles, चेचक small pox, मोतीझरा Typhoid. कुकर या कुत्ता खांसी whopping cough कान मे मवाद pus in ear.

2. **उच्च ध्वनि High sound** - कभी कभी जोर का धमाका या उच्च ध्वनि सुनने पर कर्णपटल फट जाता है तब कान ऊँची ध्वनि को ही सुन पाते है, धीमी गति या सामान्य गति से बोले गये शब्दो को सुनने मे कठिनाई होती है इस प्रकार उच्च ध्वनि सम्बन्धी दोष उत्पन्न होती है

3. **असन्तुलित आहार Imbalanced Food** - यदि बालक को असन्तुलित आहार मिलता है तो वह कुपोषण का शिकार हो जाता है तथा बालक की श्रवण शक्ति विपरीत रूप से प्रभावित होती है

4. **दुर्घटना Accident** - कोई भी दुर्घटना श्रवण तन्त्र को हानि पहुँचा सकती है। आन्तरिक पटल पर चोट लगने से या मध्य कर्ण मे पानी भर जाने पर श्रवण शक्ति क्षीण या नष्ट हो जाती है

5. मेनिनजाइटिस

6. कर्ण शोथ

बहरेपन के प्रकार या श्रवण बाधित बालको का वर्गीकरण Types of Deafness or classification of Hearing impaired children

ध्वनि का विस्तार 1 से 130 डेसीबल होता है। 130 डेसीबल्स के ऊपर की ध्वनि दर्द की संवेदना देती है।

1. **कम श्रवण बाधित बालक Mild Hearing loss children**

सामान्य बातचीत का स्तर 65 डेसिबल्स होता है ये बालक इस डेसीबल्स तक की ध्वनि को नहीं सुन पाते। ये सामान्य स्तर की बातचीत आसानी से सुन सकते परन्तु, इससे नीचे के स्तर को नहीं।

2. मन्द श्रवण बाधित बालक Moderate Hearing loss Children- ये बालक 55-69 डी०बी० का ह्रास करते है अतः सामान्य स्तर, अर्थात 65 डेसी० स्तर पर बोलने पर ये बालक सामान्यतः सुन नहीं पाते। थोड़ा ऊँचा बोलने पर ही सुन पाते है।

3. गम्भीर रूप से श्रवण बाधित बालक Severely Hearing impaired Children- इन बालकों में 70-89 डेसी श्रवणबाधिता होती है ये काफी ऊँचा बोलने पर ही सुन पाते है

4. पूर्ण श्रवण बाधित बालक Profoundly Hearing impaired children- ऐसे बालकों को 90 और उससे ऊपर डेसी० स्तर का ह्रास होता है ये बच्चे ऊँचा बोलने पर ही कुछ शब्द सुन पाते है। ये बधिर या बहरे होते है

श्रवण बाधिता का वर्गीकरण

Classification of Hearing Impairment

स्तर	श्रवण बाधिता के प्रकार	डी० बी० स्तर	बाधिता प्रतिशत
1	कम बाधित बालक	35 से 51 डेसी तक	40 %
2	मन्द बाधित बालक	55 से 69 " "	40 से 50%
3	गम्भीर बाधित बालक	70 से 89 " "	50 से 75%
4	पूर्ण " "	90 से 100 " "	100 %

श्रवण बाधित बालकों के लक्षण Symptoms of Hearing Impaired Children-

1. श्रवण बाधित बालक गतिविधियो एवं कार्यों के प्रति अधिक सजग रहते है तथा ध्वनि पर ध्यान नहीं दे पाते है

2. शिक्षक के होठो की गतिविधि और उसके हाव भाव पर ध्यान देते है

Scanned by TapScanner

PAGE No
DATE : / /201

3. एक तरफ सिर झुकाकर सुनने का प्रयास करते है
4. व्यवहार मे एकाग्रता तथा निरन्तरता नही होती।
5. शिक्षक से प्रश्नो को बार-बार दोहराने को कहते है
6. समान ध्वनि के शब्दो मे उन्हे अक्सर भ्रम रहता है
7. शब्दो के सही उच्चारण मे भी उसे कठिनाई होती है
8. सीमित शब्दावली का प्रयोग करना।
9. भाषा का सही विकास न हो पाना

Scanned by TapScanner